नवंबर 2023

तम्बाकू नुकसान में कमी के लिए काम करने वाले उपभोक्ता हिमायत संगठन

तम्बाकू से होने वाले नुकसान को कम करने में उपभोक्ता हिमायत क्या है?

तम्बाकू से होने वाले नुकसान में कमी दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए संभावित रूप से एक जीवन रक्षक हस्तक्षेप है।[i] ये उच्च जोखिम वाले तंबाकू उत्पाद जैसे सिगरेट और कुछ मौखिक तंबाकू का उपयोग करने वाले लोगों को यह मौका देते हैं जो कि वे इन्हें छोड़कर ऐसे सुरक्षित निकोटीन उत्पाद अपना सकें जो उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत कम जोखिम पैदा करते हैं। इनमें निकोटीन वेप्स (ई-सिगरेट), स्नस,[ii] निकोटीन पाउच[iii] और गर्म तंबाकू उत्पाद शामिल हैं। जहाँ कुछ देशों की सरकारें धूम्रपान करने वाले लोगों को सुरक्षित निकोटीन उत्पाद अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं, वहीं कई देशों में इन तक पहुंच को सीमित या पूरी तरह से प्रतिबंधित भी किया जा रहा है।

अब दुनिया भर में लगभग 8.2 करोड़ लोग वेपिंग करते हैं,[iv] और कुल मिलाकर नुकसान कम करने के सभी विकल्पों के करीब 11.2 करोड़ लोग उपयोगकर्ता हैं। हालाँकि, उपभोक्ताओं के इस बड़े समूह का केवल एक छोटा सा हिस्सा सक्रिय रूप से तंबाकू के नुकसान को कम करने की हिमायत करता है। अधिकांश लोग जो सुरक्षित निकोटीन उत्पाद अपना चुके हैं, वे इस बात से अनजान हैं कि जिन उत्पादों का उपयोग करके उन्होंने धूम्रपान छोड़ा है उनका भविष्य सुनिश्चित नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और नीति निर्माता इस बात पर सहमत नहीं हैं कि धूम्रपान बंद करने का समर्थन करने से सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुल मिलाकर फायदा पहुंचेगा या नहीं।

तंबाकू से होने वाले नुकसान को कम करने के उपभोक्ता हिमायती यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दुनिया की हर जगह के धूम्रपान करने वाले सभी लोगों के लिए विकल्प के रूप में सुरक्षित निकोटीन उत्पाद उपलब्ध हों। उनका दृष्टिकोण और गतिविधियाँ उनके देश और क्षेत्र की स्थिति पर निर्भर करती हैं, लेकिन ये सभी तंबाकू के नुकसान में कमी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। यदि विनियामक प्रस्ताव उत्पादों तक पहुंच को प्रतिबंधित करने की धमकी देते हैं तो अक्सर उपभोक्ता हिमायती ही विरोध में आवाज उठाते हैं और सही विनियमन के लिए अभियान चलाते हैं।

उपभोक्ता हिमायत कई तरह से की जा रही है, जिसमें सोशल मीडिया या ब्लॉग का उपयोग करने वाले लोगों से लेकर ज़्यादा औपचारिक संगठन और समूह तक शामिल हैं। आज के समय तक, इन संगठनों के बारे में बहुत कम लिखा गया है। ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन द्वारा किए गए शोध से संकेत मिलता है कि इनमें से अधिकांश समूह बहुत अच्छे से संगठित नहीं हैं,[v] ये स्वयंसेवकों द्वारा चलाए जाते हैं, कम औपचारिक हैं और इन्हें हिमायत का कोई पिछला अनुभव नहीं होता है।

उपभोक्ता की आवाज़ क्यों मायने रखती है?

सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य और तंबाकू से होने वाले नुकसान को कम करने का अधिकार है।[vi] इसका मतलब यह है कि यदि वे निकोटीन का उपयोग बंद नहीं कर सकते हैं या नहीं करना चाहते हैं तो उन्हें ऐसे दूसरे उत्पादों का उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए जो उनके स्वास्थ्य के लिए बेहतर हों। जो लोग सुरक्षित निकोटीन उत्पादों का उपयोग करते हैं और जो लोग धूम्रपान करते हैं, वे तंबाकू और निकोटीन के प्रति नीतिगत प्रतिक्रियाओं से सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं। इन प्रतिक्रियाओं को मोटे तौर पर 'तंबाकू नियंत्रण' के रूप में वर्णित किया जाता है। यही वे लोग भी हैं जिन्हें तम्बाकू से होने वाले नुकसान में कमी से सबसे ज़्यादा फायदा होगा।

जो लोग सुरक्षित निकोटीन उत्पादों का उपयोग करते हैं उन्हें बहुत अच्छे से पता होता है कि धूम्रपान की समस्या को कैसे ठीक किया जा सकता है और उन्हें अपने अनुभवों से इसका अंदाज़ होता है। वे जानते हैं कि उपभोक्ताओं को क्या चाहिए, उन्हें मालूम होता कि उत्पाद कैसे काम करते हैं और वे यह भी जानते हैं कि उपभोक्ता उत्पादों का उपयोग कैसे करते हैं। यह ज्ञान और विशेषज्ञता वैज्ञानिकों, नियामकों, नेताओं और धूम्रपान करने वाले लोगों के लिए बहुत उपयोगी है। सुरक्षित निकोटीन उत्पादों का उपयोग करने वाले लोगों के विचार और ज़रूरतें असल में उत्पादों की भविष्य की उपलब्धता और विनियमन के बारे में राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा के केंद्र में होनी चाहिए। इसे 'हमारे बिना हमारे बारे में कुछ नहीं करो' वाक्यांश द्वारा

संक्षेपित किया जा सकता है, यह मंत्र नुकसान कम करने वाले पहले के आंदोलनों से लिया गया है।

सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के लिए उपभोक्ता सक्रियता क्यों शुरू हुई?

2009 में संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित, कंज्यूमर एडवोकेट्स फॉर स्मोक-फ्री अल्टरनेटिव्स एसोसिएशन (CASAA) सबसे पहले संगठनों में से एक था। अगले कुछ सालों में, कई और उपभोक्ता समूह और संघ उभरने लगे जो शुरुआत में मुख्य रूप से यूरोप और आस्ट्रेलिया में थे।

उपभोक्ताओं द्वारा सुरक्षित निकोटीन उत्पादों तक पहुंच की हिमायत करने का पहला बड़ा उदाहरण 2010 में यूके में देखा गया था जब यूके की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी (MHRA) ने वेपिंग उपकरणों को दवाओं के लाइसेंसिंग सरकारी नियमों के दायरे में लाने के लिए एक परामर्श खोला था।[vii]

वेपिंग उपकरण लक्षित कानून के दायरे में तो नहीं आए पर यूके में बिक्री के लिए मौजूद वेपिंग उपकरण पहले से ही उत्पाद सुरक्षा कानूनों के तहत विनियमित थे। कई वेपर्स चिंतित थे कि दवाओं के रूप में लाइसेंसिंग के कदम से यूके सरकार उनके लिए अपने उन पसंदीदा उत्पादों तक पहुंच को कठिन बनाने वाली थी। इन्हीं उत्पादों को वेपर्स धूम्रपान से दूर रहने में मदद करने के लिए बहुत जरूरी मानते थे।

MHRA के खुले परामर्श में एक हजार से अधिक प्रतिक्रियाएँ आई थीं।[viii] संगठनों की तुलना में ज़्यादा राय खुद लोगों ने दी और जिनमें से ज़्यादातर ने वेपिंग उत्पादों का उपयोग करके धूम्रपान छोड़ने के अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। कई लोगों ने अपना डर भी व्यक्त किया कि वेपिंग उत्पादों को दवाओं के रूप में लाइसेंस करने से वे असल में बाज़ार से हट जाएंगे, जबकि ज्वलनशील सिगरेट कानूनी रूप से उपलब्ध बनी रहेंगी। दूसरों ने डर व्यक्त किया कि इसके बाद उन्हें धूम्रपान की ओर वापस जाने से कोई नहीं रोक पाएगा। वे प्रयास सफल रहे और मार्च 2011 में, MHRA ने आगे के शोध और मूल्यांकन के लिए प्रतिबद्धता बनाए रखते हुए वेपिंग उत्पादों की स्थिति के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं करने के अपने इरादे की घोषणा की।

यूरोप में, उपभोक्ता कार्यकर्ता 2013 में तब और सक्रिय हो गए जब दवाओं के रूप में वेपिंग उपकरणों को विनियमित करने का प्रस्ताव फिर से सामने लाया आया। इस बार इसे यूरोपीय संघ तंबाकू उत्पाद निर्देश (EU TPD) के मसौदे में लाया गया था। यूरोपीय संघ में ई-सिगरेट में निकोटीन की मात्रा को इतने कम स्तर तक सीमित करने के बारे में भी चर्चा हुई कि वे धूम्रपान छोड़ने के इच्छुक लोगों को संतुष्ट करने में असमर्थ हो जाते। इस कदम से ज्वलनशील सिगरेट के एक असरदार विकल्प के रूप में निकोटीन वेप्स असल में ख़त्म ही हो जाने वाले थे।

EU TPD प्रस्तावों के जवाब में पूरे यूरोप में एक जमीनी स्तर का अभियान बन गया। वेपिंग उत्पादों को अपनाकर धूम्रपान छोड़ने में कामयाब रहने वाले कुछ लोग बहुत चिंतित हो गए थे कि धूम्रपान के लिए उनका ,चमत्कारी नुस्ख़ा' प्रभावी ढंग से छीन लिया जाएगा और कुछ अपनी ज़िंदगी में पहली बार तंबाकू के नुकसान में कमी के समर्थन में आंदोलन करने के लिए मजबूर हो गए। यह अभियान किसी एक व्यक्ति या संगठन द्वारा संचालित नहीं किया गया था, इसका साझा उद्देश्य था लोगों को यूरोपीय संसद और अपने देशों की संसदों में अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को लिखने, अपने अनुभव साझा करने और अपने विचार देने के लिए प्रेरित करना।

पूरे यूरोप में हजारों वेपर्स ने अपने यूरोपीय संसद सदस्यों और अपने देश के सांसदों को ईमेल करके बताया कि कैसे उन्होंने वेपिंग अपनाकर धूम्रपान छोड़ा और मांग की कि वेप्स एक उपभोक्ता उत्पाद बना रहे। यह ज्यादातर ऑनलाइन वेपिंग मंचों के माध्यम से आयोजित किया गया था क्योंकि उस समय कोई यूरोपीय उपभोक्ता समूह नहीं था और चंद लोग ही अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। याचिकाओं और विरोध प्रदर्शनों के साथ ही कई दूसरी पहलें भी शुरू की गईं और एक सफल अभियान के बाद वेपिंग उत्पाद EU TPD के तहत उपभोक्ता उत्पादों के रूप में उपलब्ध बने रहे।

आगे क्या हुआ?

यह साफ़ होता जा रहा था कि वेपिंग समुदाय ऐसे उत्पादों तक पहुंच जारी रखने के अपने अधिकार की हिमायत करने के लिए इकट्ठे होंगे जिनसे उन्हें लगता था कि उन्हें इनसे फायदा हो रहा है। लेकिन यूरोपीय संघ के साथ अनुभव ने उपभोक्ता अधिवक्ताओं को दिखाया था कि उन्हें और अधिक संगठित होने की आवश्यकता है। उपभोक्ता राष्ट्रीय उपभोक्ता समूह बनाने के लिए एक साथ आने लगे। इन समूहों के अस्तित्व का अर्थ यह था कि उपभोक्ता मीडिया, नेताओं, वैज्ञानिकों और नियामकों के साथ संवाद करने के लिए एक चैनल बना सकते थे, हालांकि यह हमेशा आसान नहीं होता था। एक असली जमीनी स्तर का आंदोलन शुरू तो हो

गया था पर ज़्यादातर उपभोक्ता जो तंबाकू के नुकसान में कमी की हिमायत कर रहे थे, उन्हें संगठित होने का कोई अनुभव नहीं था, न ही उनमें से कई इसकी कमान संभालना चाहते थे। लेकिन जैसा कि यूरोपीय संघ में वेपिंग के मामले में हुआ, दूसरे क्षेत्रों में नियामक खतरों के जवाब में दुनिया भर में उपभोक्ता लामबंदी बढ़ गई।

आज चल रहे उपभोक्ता हिमायत संगठनों के बारे में हम क्या जानते हैं?

2022 में, Public Health Challenges में प्रकाशित ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन के एक अध्ययन ने दुनिया भर में सक्रिय 54 उपभोक्ता अधिवक्ता संगठनों की पहचान की। अध्ययन विशेष रूप से जमीनी स्तर के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समूहों पर केंद्रित था जिन्हें सुरक्षित तंबाकू उत्पाद (SNP) उपभोक्ताओं द्वारा स्थापित और संगठित किया गया था और उनमें से 52 से एक प्रश्नावली के उत्तर लिए गए थे।

इनमें से कई समूह लैटिन अमेरिका (ARDT Iberoamerica), अफ्रीका (CASA), यूरोप (ETHRA), और एशिया-प्रशांत (CAPHRA) को कवर करने वाले चार क्षेत्रीय छत्र संगठनों से जुड़े थे।

अधिकांश ने अनौपचारिक रूप से और अक्सर ऑनलाइन शुरुआत की थी। ये ऐसे लोग थे जिन्होंने जमीनी स्तर के समूहों में विकसित होने से पहले धूम्रपान छोड़कर वेपिंग या एक-दूसरे से जुड़े दूसरे सुरक्षित निकोटीन उत्पादों को अपनाया था। GSTHR के सर्वेक्षण किए गए किसी भी समूह को पेशेवर लोगों ने नहीं बनाया था। इसमें शामिल ज़्यादातर लोगों ने हिमायत करने या संगठन स्थापित करने की कोई योजना नहीं बनाई थी, बल्कि इन्होने तो बस अपने देशों में प्रस्तावित नियामक या कानूनी बदलावों के जवाब में कार्रवाई की थी।

अधिकांश समूहों का उद्देश्य धूम्रपान करने वाले लोगों, जनता, सरकार और मीडिया के बीच धूम्रपान के सुरक्षित विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और साथ ही एक ऐसे कानूनी और नियामक वातावरण की हिमायत करना है जिसमें उत्पाद उपलब्ध हों। लगभग सभी संगठनों की एक प्रमुख गतिविधि अपने समर्थकों और आम जनता, खासकर उन लोगों को जानकारी देना है जो अभी भी धूम्रपान कर रहे हैं।

समूहों संगठित और वित्तपोषित कैसे किया जाता है?

सर्वेक्षण का उत्तर देने वाले 52 जमीनी स्तर के उपभोक्ता अधिवक्ता संगठनों में से 13 लैटिन अमेरिका में, 8 अफ्रीका में, 24 यूरोप में, 5 एशिया-प्रशांत क्षेत्र में और 2 उत्तरी अमेरिका में काम कर रहे थे, लेकिन पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया या मध्य पूर्व में कोई समूह नहीं था। समूह 27 भाषाओं में संचालित होते हैं और 36 की शुरुआत 2016 या बाद से हुई है।

ज़्यादातर (42 संगठन) स्वयंसेवकों के साथ काम करते थे, केवल सात के पास अनुबंधित या वेतनभोगी कर्मचारी थे। कर्मचारियों की अधिकतम संख्या तीन (दो समूहों में) थी। दूसरे दो संगठनों में प्रत्येक में दो-दो कर्मचारी थे और तीन में तो केवल एक-एक व्यक्ति था। सर्वेक्षण के नमूने को समग्र रूप से देखने पर सामने आया कि सर्वेक्षण किए गए सभी संगठनों के बीच 13 पद ही ऐसे थे जो वेतनभोगी थे।

परिचालन संसाधनों की कमी फंडिंग के निम्न स्तर में परिलक्षित होती है। कुल 31 समूहों को कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली थी। जिन 21 संगठनों को कुछ फंडिंग मिली भी थी तो पिछले पूरे साल के लिए यह 250 अमेरिकी डॉलर से लेकर 1,73,500 अमेरिकी डॉलर के बीच थी।

कुल मिलाकर, पिछले 12 महीनों के लिए, सर्वेक्षण में शामिल सभी समूहों के लिए कुल फंडिंग केवल 3,09,810 अमेरिकी डॉलर हुई थी। फंडिंग चंदे (दस में) और सदस्यता शुल्क (नौ में) से आई थी। तीन समूहों को वेपिंग कंपनियों से चंदा मिला था। 52 समूहों में से किसी को भी तंबाकू या दवा कंपनियों से फंडिंग नहीं मिली थी।

तम्बाकू से नुकसान में कमी उपभोक्ता अधिवक्ता संगठनों को किन बाधाओं का सामना करना पड़ता है?

सर्वेक्षण में शामिल सभी संगठनों द्वारा बताए गए मुख्य मुद्दों में से एक पैसों और संसाधनों की कमी थी। इनमें से ज़्यादातर ने स्वयंसेवकों और सामुदायिक भागीदारी की कमी, सुरक्षित निकोटीन उत्पाद उपयोगकर्ताओं और उपभोक्ता सदस्यता से सक्रिय और संगठित भागीदारी की कमी और इच्छुक व्यक्तियों तक पहुंचने में कठिनाइयों की ओर भी इशारा किया। कई लोगों ने अधिकांश मीडिया, स्वास्थ्य पेशेवरों, डॉक्टरों और तंबाकू नियंत्रण संगठनों के लोगों के रवैये के नकारात्मक होने के बारे में भी बताया।

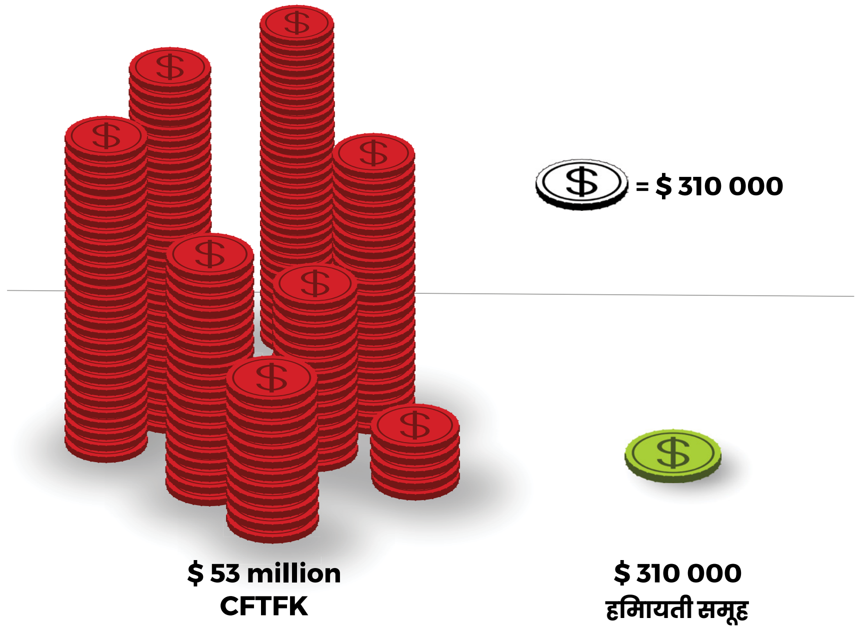

फ्लेवर्ड निकोटीन वेप्स से लड़ने के लिए CFTFK को एक साल की ब्लूमबर्ग फंडिंग की तुलना दुनिया भर के सभी उपभोक्ता हिमायत समूहों द्वारा प्राप्त कुल वार्षिक धन से की गई है, एक कॉइन 3 लाख 10 हजार अमेरिकी डॉलर दर्शाता है।

जमीनी स्तर के उपभोक्ता हिमायत समूहों के सामने आने वाली चुनौती को तंबाकू के नुकसान में कमी के खिलाफ अभियान चलाने वाले संगठनों को उपलब्ध फंडिंग की तुलना में उन्हें मिलने वाले समर्थन और संसाधनों की मात्रा से देखा जा सकता है। इस असमानता को Campaign for Tobacco Free Kids अभियान से तुलना करके दिखाया जा सकता है जिसे तीन साल में दुनिया भर में निकोटीन वेप्स में फ़्लेवर मिलाने के खिलाफ अभियान चलाने के लिए 2019 में Bloomberg Philanthropies से 16 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिले थे।[ix] इसके विरुद्ध में महत्वपूर्ण सबूतों के बाद भी इस तरह के समूह धूम्रपान छोड़ने में सुरक्षित निकोटीन उत्पादों की सुरक्षा और प्रभावशीलता पर संदेह व्यक्त करते हैं। इनकी बड़ी फंडिंग और हाई प्रोफाइल यह सुनिश्चित करती है कि उनके विचारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में व्यापक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा।

Bloomberg Philanthropies ने 2018 में STOP (स्टॉपिंग टोबैको ऑर्गेनाइज़ेशन एंड प्रोडक्ट्स) नामक 2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का वैश्विक उद्योग निगरानी समूह भी लॉन्च किया। इस पहल के पहले तीन सालों को कवर करते हुए, यूके में बाथ विश्वविद्यालय को Bloomberg Philanthropies से 1.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर मिले,[x] साथ ही उन्हें दिसंबर 2024 तक निगरानी के काम की फंडिंग करने के लिए फरवरी 2023 में STOP के लिए अतिरिक्त की गई $42 करोड़ की प्रतिबद्धता में भी हिस्सा मिला।[xi]

इसके अलावा, धूम्रपान करने वाले लोगों को हेय दृष्टि से देखना और इसलिए, इसी को आगे बढ़ाते हुए, सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी ऐसी ही नीची नज़र से देखे जाने का मतलब ये होता है कि फिंडिंग के बहुत कम रास्ते ही उपलब्ध हो पाते हैं। ज़्यादातर आम लोग इस उद्देश्य के लिए पैसा दान करने के अनिच्छुक होते हैं। इसलिए उपभोक्ता समूहों की भी सीमाएं होती हैं कि वे क्या कर सकते हैं और लोगों के लिए अभियान के दौरान ऊर्जावान बने रहना और काम करना मुश्किल हो सकता है।

तम्बाकू से होने वाले नुकसान में कमी के उपभोक्ता हिमायतियों को तम्बाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन (FCTC) के पक्षों के सम्मेलन (COP) की बैठकों में कभी भी शामिल नहीं किया गया है।[xii] ये वे द्विवार्षिक कार्यक्रम हैं जिनमें दुनिया भर

के सरकारी प्रतिनिधिमंडल FCTC और दूसरे अंतरराष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण उपायों के घरेलू कार्यान्वयन को प्रभावित करने वाले निर्णय लेने से पहले तंबाकू और निकोटीन नीति पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं। COP में बोलने के लिए बुलाना तो दूर की बात है, किसी भी उपभोक्ता समूह को कार्यवाही देखने तक की अनुमति नहीं दी गई। ऐसा इसके बावजूद है कि इन बैठकों से निकलने वाले निर्णयों से सबसे अधिक प्रभावित यही उपभोक्ता होते हैं। यह जलवायु परिवर्तन पर चर्चा के लिए आयोजित होने वाली COP बैठकों से भी बहुत अलग है, जहां कई तरह के सिविल सोसाइटी समूहों को चर्चा में सक्रिय भूमिका निभाने या देखने के लिए बुलाया जाता है।

उपभोक्ता समूहों पर अक्सर झूठा आरोप लगाया जाता है कि ये तम्बाकू उद्योग के लिए काम करते हैं या इनकी गैंग में हैं । यह जुड़ाव मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण है कि तम्बाकू उद्योग अब कुछ सुरक्षित निकोटीन उत्पादों का निर्माण करता है जिनका उपयोग उपभोक्ता धूम्रपान से बचने के लिए कर रहे हैं। ये आरोप सार्वजनिक स्वास्थ्य में काम करने वाले पेशेवरों की ओर से भी आ सकते हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि वेपिंग उपकरण पारंपरिक तंबाकू उद्योग द्वारा विकसित नहीं किए गए थे और तंबाकू उद्योग ने 2012 के बाद ही वेपिंग उत्पादों और कंपनियों में पर्याप्त निवेश शुरू किया था। 2023 तक उनके पास वैश्विक बाजार का केवल एक मामूली हिस्सा ही था।

तम्बाकू से नुकसान में कमी उपभोक्ता हिमायत संगठनों ने क्या हासिल किया है?

कम संगठनात्मक संसाधन और फंडिंग आधार के बावजूद, ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन के सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सभी समूह महत्वपूर्ण कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने में सक्षम थे। उदाहरण के लिए, मीडिया का ध्यान खींचना, प्रिंट और प्रसारण मीडिया कवरेज लेना, सरकार और नियामक और सलाहकार संगठनों द्वारा परामर्श के लिए प्रस्तुतियाँ देना, सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेना, वेबिनार और आमने-सामने बैठकों की मेजबानी करना, सांसदों से संपर्क करना, नए समूहों को लॉन्च करने में मदद करना, सोशल मीडिया अभियान चलाना, विरोध प्रदर्शन आयोजित करना, कानूनी चुनौतियों का सामना करना, सरकारी मंत्रालयों के साथ संपर्क विकसित करना और राष्ट्रीय ई-सिगरेट मानकों के विकास में योगदान देना।

हाल के वर्षों में, एसएनपी के समर्थकों ने उपभोक्ताओं के लिए काफी परिणाम हासिल किए हैं। भारत और मैक्सिको में हिमायतियों ने अदालती कार्रवाइयों के जरिए वेपिंग उपकरणों पर सरकार की योजनाबद्ध रोक को चुनौती दी। हाल ही में, न्यूजीलैंड और फिलीपींस दोनों में उपभोक्ताओं ने परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से वेपिंग उत्पादों तक विनियमित पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निम्नलिखित छोटे राष्ट्रीय केस अध्ययन इन उपभोक्ता समूहों की गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत करते हैं।

भारत

2014 में, तंबाकू नियंत्रण पर डब्ल्यूएचओ फ्रेमवर्क कन्वेंशन (WHO Framework Convention on Tobacco Control) के पक्षकारों के सम्मेलन ने सुरक्षित निकोटीन उत्पादों पर चिंता जताई और जवाब में, भारत सरकार ने उन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। उपभोक्ताओं ने एसोसिएशन ऑफ वेपर्स इंडिया (AVI) नाम का एक गैर-लाभकारी संगठन औपचारिक रूप से 2016 में पंजीकृत किया। जनता के हित के लिए काम करने वाले कुछ वकीलों के समर्थन से, AVI ने राज्य स्तर पर लगाए जा रहे वेप प्रतिबंधों को चुनौती देने के लिए देश भर की अदालतों और केंद्र सरकार के प्रमुख निर्णयों को रोकने के लिए बड़े उच्च न्यायालयों का रुख किया। अदालत के फैसलों से प्रतिबंध में कई वर्षों की देरी हो गई, लेकिन अंततः सरकार ने सामान्य कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया और 2019 के अंत में निकोटीन वेप्स की बिक्री, निर्माण और आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया। कुछ महीने बाद इस विवादास्पद कदम को बहुमत की सरकार ने बड़ी जल्दी में संसद के माध्यम से पारित कर लिया।

2019 के प्रतिबंध के बाद तम्बाकू नुकसान कम करने वाले उपभोक्ता समूहों ने देश में बड़ी मीडिया कवरेज पैदा करना जारी रखा और मई 2023 में भारत सरकार ने 'प्रो-वेपिंग' (वेपिंग के समर्थन में) मानी जाने वाली सामग्री के प्रकाशन पर एक मीडिया प्रतिबंध जारी किया। इस कदम को AVI और दूसरे समूहों द्वारा देश के 12 करोड़ धूम्रपान करने वालों को सुरक्षित विकल्पों तक पहुंच सुनिश्चित करने के उपभोक्ता प्रयासों की सफलता की मान्यता के रूप में देखा जाता है।

मेक्सिको

2017 में स्थापित, Pro-Vapeo Mexico एक गैर-लाभकारी संघ है, जो धूम्रपान की जगह सुरक्षित निकोटीन उत्पादों का उपयोग करने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में प्रचार और जागरूकता बढ़ाने में रुचि रखने वाले उपभोक्ताओं द्वारा बनाया गया है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य अधिकारियों, राजनेताओं, आम जनता और मीडिया को तंबाकू के नुकसान में कमी के समर्थन में नीतियों के कार्यान्वयन के संबंध में खुली और समावेशी बहस की आवश्यकता को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना है।

पिछले छह सालों में, कई तरह के प्रिंट और प्रसारण मीडिया आउटलेट्स ने समूह का साक्षात्कार लिया और समूह ने सीधे उपभोक्ताओं के साथ मजबूत संबंध भी बनाए हैं। इसके सदस्य मैक्सिकन संघीय कांग्रेस की सीनेट द्वारा आयोजित मंचों में भाग लेते हैं और देश के विधायकों के साथ जुड़े हुए हैं। एक केस में तो उन्होंने दस्तावेजी साक्ष्य भी प्रस्तुत किए जिससे मैक्सिकन सुप्रीम कोर्ट ऑफ जस्टिस ने घोषणा की कि वेपिंग उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध असंवैधानिक था। इसलिए, हालांकि देश में अब वेप्स की बिक्री और प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है पर लेखन के समय उनका उपयोग कानूनी है।

न्यूज़ीलैंड

उपभोक्ता हिमायत संगठन जिसमें Aotearoa Vapers Community Advocacy भी शामिल है, न्यूजीलैंड में वेप्स के लिए एक विनियमित बाजार स्थापित करना चाहते थे। उपभोक्ता समूह इन उत्पादों की सुरक्षा के बारे में चिंतित थे लेकिन धूम्रपान करने वाले लोगों के लिए वेप्स तक पहुंच बनाए रखना चाहते थे।

वकीलों ने अपने निर्वाचित और सरकारी अधिकारियों और साथ ही स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिनमें नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान और अन्य देशों के नीतिगत उदाहरणों के साथ-साथ स्वयं उपभोक्ताओं के अनुभव भी शामिल थे। नेताओं के साथ रिश्ते विश्वास, सम्मान और समझ की बुनियाद पर बनाए गए।

उनकी सफल हिमायत ने Smokefree Environments and Regulated Products (Vaping) Amendment Act 2020 [xiii] की अधिसूचना लाने में मदद की। इस कानून ने यह संतुलन बनाने की कोशिश की कि वेपिंग उत्पाद उन धूम्रपान करने वालों के लिए उपलब्ध रहें जो इसे छोड़कर कम हानिकारक विकल्प अपनाना चाहते हैं और साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया कि ये उत्पाद युवाओं मार्केट या बेचे न जाएँ।

फिलीपींस

फिलीपींस में ऐसी आशंकाएं थीं कि Bloomberg Philanthropies द्वारा वित्त पोषित एंटी-वेपिंग समूहों के प्रयासों के कारण वेप्स पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग सकता है। The Vapers Philippines उन कुछ समूहों में से एक था जिसने वेप्स को बाज़ार में बनाए रखने की मुहिम का नेतृत्व किया। उनके नज़रिए पर न्यूज़ीलैंड में उनके साथियों के काम का प्रभाव था। उन्होंने विभिन्न हितधारकों के सामने वैज्ञानिक साक्ष्य और उपभोक्ता अनुभव प्रस्तुत किए और न्यूजीलैंड में नए नियामक ढांचे के हालिया उदाहरण का उपयोग करते हुए 2022 में वाष्पीकृत निकोटीन उत्पाद विनियमन अधिनियम को कानून बनाने में मदद की। बिल ने ये प्रतिबंध जरूर लगाए कि वेपिंग उत्पाद कहां बेचे जा सकते हैं पर इसने खरीद की कानूनी उम्र 21 से घटाकर 18 कर दी। लेकिन जहाँ दुनिया के एक हिस्से में आसपास के कई देशों में वेपिंग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, इस विधेयक ने वेपिंग को एक सरकार द्वारा अनुमोदित धूम्रपान करने वाले लोगों को उनके स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने में मदद करने की रणनीति के रूप में स्थापित किया।

निष्कर्ष

तम्बाकू से नुकसान में कमी के उपभोक्ता हिमायती संगठनों का अंतिम लक्ष्य है खुद और दूसरों को धूम्रपान छोड़ने में मददगार सुरक्षित निकोटीन उत्पादों तक निरंतर पहुंच सुनिश्चित करना। ये छोटे-छोटे जमीनी स्तर के समूह हैं जो बहुत तंगी में काम करते हैं और इनके पास संसाधन भी कम हैं, लेकिन इनमें अपार संभावनाएं हैं। जैसा कि यह ब्रीफिंग पेपर दर्शाता है, सक्रिय उपभोक्ता सहभागिता से सकारात्मक परिणामों के कई उदाहरण सामने आए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के दूसरे तुलनीय क्षेत्रों में निर्णय लेने में अनुभव के महत्व को मान्यता दी गई है। सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी दुनिया भर की सरकारों द्वारा धूम्रपान महामारी को समाप्त करने के सामूहिक प्रयासों में महत्वपूर्ण आवाज के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन के काम के बारे में अधिक जानकारी के लिए, या इस जीएसटीएचआर ब्रीफिंग पेपर में उठाए गए बिंदुओं के लिए, कृपया info@gsthr.org पर संपर्क करें।

हमारे बारे में: नॉलेज·एक्शन·चेंज (K•A•C) नुकसान में कमी को मानवाधिकारों पर आधारित एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति के रूप में बढ़ावा देती है। टीम के पास नशीली दवाओं के उपयोग, एचआईवी, धूम्रपान, यौन स्वास्थ्य और जेलों में नुकसान कम करने के काम का चालीस वर्षों से अधिक का अनुभव है। K•A•C ग्लोबल स्टेट ऑफ टोबैको हार्म रिडक्शन (GSTHR) चलाती है जो दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में तंबाकू से नुकसान में कमी के विकास और सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के उपयोग, उपलब्धता और नियामक प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ धूम्रपान के प्रचलन और संबंधित मृत्यु दर को दर्शाता है। सभी प्रकाशनों और लाइव डेटा के लिए, https://gsthr.org पर जाएं

हमारी फंडिंग: जीएसटीएचआर परियोजना फाउंडेशन फॉर ए स्मोक फ्री वर्ल्ड, एक स्वतंत्र, अमेरिकी गैर-लाभकारी 501(सी)(3), स्वतंत्र वैश्विक संगठन, के अनुदान की मदद से तैयार की गई है। परियोजना और उसके आउटपुट, अनुदान समझौते की शर्तों के तहत, संपादकीय रूप से फाउंडेशन से स्वतंत्र हैं।

i. GSTHR. (2022a). What is Tobacco Harm Reduction? (GSTHR Briefing Papers). Global State of Tobacco Harm Reduction. https://gsthr.org/briefing-papers/what-is-tobacco-harm-reduction/.

ii. GSTHR. (2022c). What is snus and how is it used? (GSTHR Briefing Papers). Global State of Tobacco Harm Reduction. https://gsthr.org/briefing-papers/what-is-snus/.

iii. GSTHR. (2023a). What are nicotine pouches, and how are they made? (GSTHR Briefing Papers). Global State of Tobacco Harm Reduction. https://gsthr.org/briefing-papers/what-are-nicotine-pouches/.

iv. Jerzyński, T., & Stimson, G. V. (2023). Estimation of the global number of vapers: 82 million worldwide in 2021. Drugs, Habits and Social Policy, ahead-of-print(ahead-of-print). https://doi.org/10.1108/DHS-07-2022-0028.

v. Jerzyński, T., Harding, J., & Stimson, G. V. (2023). Global survey of consumer organizations advocating for safer nicotine products. Public Health Challenges, 2(1), e58. https://doi.org/10.1002/puh2.58.

vi. GSTHR. (2022b). The right to health and the right to tobacco harm reduction (GSTHR Briefing Papers). Global State of Tobacco Harm Reduction. https://gsthr.org/briefing-papers/the-right-to-health-and-the-right-to-tobacco-harm-reduction/.

vii. Electronic Cigarettes. Volume 508: Debated on Wednesday 7 April 2010. (2010, अप्रैल 7). Hansard - UK Parliament. https://hansard.parliament.uk//commons/2010-04-07/debates/10040762000014/ElectronicCigarettes.

viii. Medicines and Healthcare Products Regulatory Agency. (2010, फ़रवरी). Public consultation (MLX 364): The regulation of nicotine containing products (NCPs). Archived on 6 Dec. 2014. UK Government Web Archive. https://webarchive.nationalarchives.gov.uk/ukgwa/20141206013310/http://www.mhra.gov.uk/Publications/Consultations/Medicinesconsultations/MLXs/CON065617.

ix. Bloomberg Philanthropies Launches New $160 Million Program to End the Youth E-Cigarette Epidemic. (2019, सितिम्बर 10). Bloomberg Philanthropies. https://www.bloomberg.org/press/bloomberg-philanthropies-launches-new-160-million-program-end-youth-e-cigarette-epidemic/.

x. Major funding announcement puts Bath TCRG at centre of new $20 million global industry watchdog. (2018, अगस्त 14). https://www.bath.ac.uk/announcements/major-funding-announcement-puts-bath-tcrg-at-centre-of-new-20-million-global-industry-watchdog/.

xi. Funding boost for the Tobacco Control Research Group. (2023, फ़रवरी 28). https://www.bath.ac.uk/announcements/funding-boost-for-the-tobacco-control-research-group/.

xii. GSTHR. (2023b, अप्रैल). The Framework Convention on Tobacco Control (FCTC) and the Conference of the Parties (COP): An explainer (updated April 2023). Global State of Tobacco Harm Reduction. https://gsthr.org/briefing-papers/the-framework-convention-on-tobacco-control-fctc-and-the-conference-of-the-parties-cop-an-explainer-updated-april-2023/.

xiii. New Zealand Ministry of Health – Manatū Hauora. (2020, नवम्बर 1). About the Smokefree Environments and Regulated Products (Vaping) Amendment Act. Ministry of Health NZ. https://www.health.govt.nz/our-work/regulation-health-and-disability-system/vaping-herbal-smoking-and-smokeless-tobacco-products-regulation/about-smokefree-environments-and-regulated-products-vaping-amendment-act.